

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- लण्ड 3-- उपसप्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

। प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY -

ਜਂ∘ 370]

मई बिल्ली, वृहस्पतिबार, जुलाई 8, 1971/म्राखाद 17, 1893

No. 370]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 8, 1971/ASADHA 17, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के कप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 8th July, 1971

S.O. 2542.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 2826/18A/IDRA/69, dated the 9th July, 1969, the management of the undertaking known as Digwijay Spinning and Weaving Co. Ltd., Bombay, had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order mentioned above for a period of two years upto and inclusive of 8th July, 1971;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the Public interest that the management of the said undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and inclusive of the 8th July, 1973;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 8th July, 1973.

[No. F. 11021/58/71-Tex(G).] C. S. RAMACHANDRAN, Addl. Secy.

विवेश ब्यापार मंत्रालय

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1971

का० ग्रा० 2642—यतः भारत सरकार के ग्रीशोगिक विकास, ग्रांतरिक व्यापार तथा समवाय कार्यं मंत्रालय (ग्रीशोगिक विकास विभाग) के ग्रादेश सं० का० ग्रा० 2826/18/ए/ग्राई की ग्रार ए/ 69 दिनांक 9 जुलाई, 1969 द्वारा दिग्वजय स्पिनंग एंड वीविंग कंपनी लि०, बम्बई नामक ग्रीशोगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरिर्वाणत श्रादेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंतक द्वारा 8 जुलाई, 1971 तक की दो वर्ष की ग्रविध के लिए, जिस में यह तारीख भी ग्रामिल है, ग्रहण कर लिया गया था;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त उपकम का प्रबन्ध 8 जुलाई, 1973 तक की श्रवधि के लिये श्रीर बना रहना चाहिए;

श्रतः श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदन्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित श्रावेश का प्रभाव 8 जुलाई, 1973 तक की श्रविध के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, और बना रहेगा।

[सं० फा० 11021/58/71-टेनस(जी)]

सी० एस० रामचन्द्रन, भ्रपर सचिव ।